




**न्याय उपखण्ड अधिकारी एवं उपजिला मजिस्ट्रेट, छबड़ा जिला बारां (राज.)**

पत्र सं.	धारा अंतर्गत	ग्राम	तहसील
33/19	188 RTA	शोलादे	रूडा
वादी	वाद शीर्षक	प्रतिवादी	
राधेश्याम	बनाम	रामबहा	

वकील :- डी.सी. कुशवाह      **आदेश पत्रक**      वकील :-

दिनांक      **कार्यवाही एवं आदेश**      विविध संदर्भ

12/3/19	<p>अभिभाषक प्राथी द्वारा वाद पत्र अंतर्गत धारा 188 RTA विरुद्ध अप्राथी गण के इस न्यायालय में पेश किया गया रिपोर्ट सरिस्ता का अक्लोकत किया, प्रकरण दर्ज - रजिस्टर किया जावे तथा अप्राथी गण को परिधे स्मृत तलब कर पत्रावली दिनांक 25/3/19 को पेश हो।</p>	
25/3/19	<p>आज पीदासीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 15/4/19 को पेश हो।</p> <p align="center">               न्यायालय उपखण्ड अधिकारी              छबड़ा (बारा)         </p>	
15/4/19	<p>आज पीदासीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 21/5/19 को पेश हो।</p> <p align="center">               न्यायालय उपखण्ड अधिकारी              छबड़ा (बारा)         </p>	
21/5/19	<p>आज पीदासीन अधिकारी के अन्य कार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली पूर्ववत स्थिति में दिनांक 26/6/19 को पेश हो।</p> <p align="center">               न्यायालय उपखण्ड अधिकारी              छबड़ा (बारा)         </p>	

पत्रावली पेश हुई। बकुलार फरीकोट उपा. गवाड पेश  
 कही हुआ बकील जरी करी लाम-माहरे श्री प्र  
 ने कर ककल डिपे का जुके श्री-पापलेन में 200/-  
 000 पर एक अफिम ककल दिया जाय श्री अफिम  
 गवाड कड कड दिया जायेगा। पत्रावली वारि गवाड दिनांक  
 21-10-24 को पेश हो।



21-10-24

पत्रावली पेश हुई। बकुलार फरीकोट उपा.। गवाड जरी करी  
 पेश कही हुआ लाम-माहरे श्री प्र ने कर ककल  
 डिपे का जुके श्री गवाड जरी करी कड की जारी  
 किया जाय श्री पत्रावली वारि ककल करी दिनांक  
 29-10-24 को पेश हो।



29-10-24

पत्रावली पेश हुई। बकील वारी एवं त्वपं वारी उपस्थित  
 नही है। न्यायालय ने कक कक कर तीन बार आवाज  
 लगावाई गई। न्यायालय कार्यवाही स्थगित होने तक इंतजार  
 किया गया। बकील वारी एवं त्वपं वारी उपस्थित नही  
 हूये। प्रकरण ककल हाजरी ककल पुरवी ने खारिज  
 किया जाता है। पत्रावली केशल मुता होकर दायिम  
 रहने हो।

